(GI-1, GI-2, GI-3, VI-1, SI-1, VDI-1)

DATE: 27.07.2021 **MAXIMUM MARKS: 100** **TIMING: 3¼ Hours**

PAPER : AUDITING

DIVISION – A (MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

ANSWER (1-20) CARRY 1 MARK EACH

1. Ans. c
2. Ans. b
3. Ans. c
4. Ans. d
5. Ans. d
6. Ans. b
7. Ans. a
8. Ans. a
9. Ans. a
10. Ans. d
11. Ans. d
12. Ans. c
13. Ans. a
14. Ans. c
15. Ans. a
16. Ans. b
17. Ans. c
18. Ans. c
19. Ans. c
20. Ans. d

ANSWER (21-25) CARRY 2 MARKS EACH

21. **गलतः** किसी भी क्रेडिट सुविधा के तहत बैंक की वजह से किसी भी राशि को 'अतिदेय' है, अगर बैंक द्वारा तय की गई तारीख पर भुगतान नहीं किया गया है।
22. **गलतः** प्रबंधन एक पर्याप्त लेखा प्रणली को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है जिसमें विभिन्न आंतरिक नियंत्रणो को शामिल किया गया है जो कि व्यापारिक के आकार और प्रकृति के अनुमोदन की सीमा तक है। आंतरिक निंयत्रण प्रणाली का रखरखाव प्रबंधन की जिम्मेदारी है क्योंकि आंतरिक नियंत्रण किया है इकाई के उद्देश्यों की उपलब्धि के बारे में तार्किक आश्वासन प्रदान करने के लिए प्रशासन/प्रबंधन के आरोप वाले उन लोगों द्वारा डिजाइन, कार्यान्वित और प्रत्याशित किया गया।
23. **गलतः** अंकेक्षण के दौरान हुई परिस्थितियों में हुए परिवर्तन के परिणामस्वरूप संपूर्ण (और, यदि लागू हो, भौतिक स्तर या लेने–देने, खाता शेष या प्रकटीकरण के विशेष वर्गो के लिए स्तर) के रूप में वित्तीय वक्तव्यों की भौतिकता को संशोधित करने की आचश्यकता हो सकती है। उदाहरण के लिए, इकाई के व्यवसाय के एक प्रमुख हिस्से के निपटान का निर्णय), नई जानकारी, या लेखा परीक्षक की समझ में परिवर्तन और इसके संचालन को आगे अंकेक्षण प्रक्रियाओं के निष्पादन के परिणामस्वरूप।
24. Ans. d
25. Ans. b

DIVISION B-DESCRIPTIVE QUESTIONS
QUESTION NO. 1 IS COMPULSORY
ATTEMPT ANY FOUR QUESTIONS FROM THE REST

Answer 1:

Examine with reasons (in short) whether the following statements are correct or incorrect : (Attempt any 7 out of 8)

(i) **गलतः** विश्लेषणात्मक प्रविधियों के अनुसार ''विश्लेषणात्मक प्रविधिया'' का अर्थ वित्तीय सूचना का वित्तीय व गैर–वित्तीय डाटा के मध्य संबध के विश्लेषण से मूल्याकंन है।

(ii) **गलतः** कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार एक व्यक्ति किसी कम्पनी के लेखा परीक्षक के रूप में, नियुक्ति के लिए पात्र नही होगा, यदि उसका रिश्तेदार कम्पनी में **रु** 1,00,000 से अधिक के अंकित मूल्य की प्रतिभूति या हित धारण करता है।

इसलिए, AB & Co. XYZ के लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त होन के लिए अयोग्य है जैसे Mr. C रिश्तेदार है Mr. B के जो कि AB & Co. मे साझेदार है, XYZ लि.में अंकित मूल्य **रु** 2,00,000 की प्रतिभूतियाँ धारण करते है।

(iii) **गलतः** SA 240 के अनुसार ''वित्तीय वक्तव्यों की एक अंकेक्षण में धोखाधड़ी में संबंधित अंकेक्षक की जिम्मेदारियों'', धोखाधड़ी वित्तीय रिपोर्टिग में जोड़–तोड़, मिथ्याकरण या परिवर्तन लेखाकन रिकॉडों दस्तावेज शामिल हो सकते है जिनमें से वित्तीय वक्तव्य तैयार किए गए है, या जानबूझकर चूक, घटनाओं के वित्तीय वक्तव्यों, लेन–देन या अन्य निजता जानकारी या मात्रा, वर्गीकरण, प्रस्तुति या प्रकटीकरण के तरीके से संबंधित लेखांकन सिद्धातों का गलत उपयोग।

(iv) **सही** : SA-300, ''वित्तीय विवरण की अंकेक्षण की योजना'' के अनुसार योजना एक अंकेक्षण का अलग चरण नहीं है, परन्तु एक लगातार तथा दोहराने वाली प्रक्रिया है जो प्रायः गत अंकेक्षण की पूर्णता के पश्चात (अथवा के सम्बन्ध में) एक दम आरम्भ होता है तथा चालू अंकेक्षण लिप्तता की पूर्णता तक जारी रहता है।

(v) **गलतः** कम्पनी अधिनियम, 2013 के प्रवधानों के अनुसार, एक व्यक्ति कम्पनी में लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त होने के लिए अयोग्य है अगर वह कम्पनी की कोई प्रतिभूति या हित धारण करता हों चार्टर्ड एकाउंटेट के रूप में S लि. की अंकित मूल्य **रु** 950 की प्रतिभूतियाँ धारण करता है, वह S लि. में लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त होने के योग्य नहीं है।

(vi) **गलत** : कठिनाई, समय अथवा लिप्त लागत एक अंकेक्षण प्रक्रिया जिसके लिए कोई विकल्प नहीं है, को हटाने के लिए स्वयं में अंकेक्षक के लिए वैद्य कारण नहीं है।

उपयुक्त योजना अंकेक्षण का परिचालन के लिए पर्याप्त संचय तथा सूचना की प्रासंगिकता तथा इसका मूल्य समय के साथ कम हो जाता है तथा सूचना की विश्वसनीयता तथा इसकी लागत के मध्य संतुलन बनाना होता है।

(vii) **गलत** : लेखा परीक्षक द्वारा देखे गए आंतरिक नियंत्रण में किसी भी तरह की सामग्री की कमजोरी को प्रबंधन को समय पर लिखित रूप में सूचित किया जाना चाहिए। हालांकि इस तरह के संचार का उल्लेख होना चाहिए कि आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्तता का निर्धारण करने के लिए ऑडिट नहीं किया गया है।

(viii) **सही** : पर प्रबंधन / कर्मचारी उच्च मूल्य की वस्तुओं में धोखाधड़ी नहीं करते हैं। इसके अलावा, एक सामान्य अभ्यास के रूप में, ऑडिटर उच्च मूल्य के सामानों की विस्तार से जांच करता है। इस प्रकार यह कम जोखिम भरा है कि उच्च मूल्य धोखाधड़ी और त्रुटि का पता नहीं लगाया जा सकता है। इसलिए, उच्च भौतिकता स्तर निम्न डिग्री पर ऑडिट जोखिम छोड़ देता है।

{One Mark for Correct or Incorrect and 1 Mark for Explanation}

Answer 2:

(a) महत्वपूर्ण मामला तथा संबधित महत्वपूर्ण पेशेवर निर्णयन का प्रपत्रीकरण

एक मामले की महत्वता का परखने में तथ्य तथा परिस्थिति की वस्तु परक विश्लेषण की आवश्यकता है।

महत्वपूर्ण मामलों के उदाहरण में सम्मिलित हैः

- मामला जो महत्वपूर्ण जोखिम को जन्म देते है।
- अंकेक्षण प्रक्रिया का परिणाम संकेत देता है। (a) कि वित्तीय विवरण को सारवान रूप मे मिथ्या वर्णित किया जा सकता है, अथवा (b) सारवान मिथ्या विवरण की जोखिम की अंकेक्षक की पहले की समीक्षा को पुर्नरक्षित करने की आवश्यकता है तथा इन जोखिम का अंकेक्षक का प्रत्युत्तर
- परिस्थिति जो अंकेक्षक को आवश्यक अंकेक्षण प्रक्रिया को लागू करने में पर्याप्त कठिनाई देते है।
- निष्कर्ष जो अंकेक्षण राय की संशोधन परिणाम हो सकता है अथवा अंकेक्षक की रिपोर्ट में मामला पैराग्राफ का जोर सम्मिलित हो सकता है।

{2 M}

महत्वपूर्ण मामलों की अंकेक्षण प्रपत्रीकरणके स्वरूप, विषय वस्तु तथा हद के निर्धारण में एक महत्वपूर्ण फेक्टर कार्य के निष्पादन तथा परिणाम के आंकलन में प्रयुक्त पेशेवर निर्णयन की हद है।

पेशेवर निर्णयन जहां पर महत्वपूर्ण है, का प्रपत्रीकरण अंकेक्षक के निष्कर्षा का निर्णयन की गुणवत्ता को सुदृढ़ करता है। इस प्रकार मामलों के लिए उत्तरदायी व्यक्ति का विशेष हित का है जिसमें बाद का अंकेक्षण को चलाना जब लगातार महत्व की मामलों की समीक्षा की जाती है। (उदाहरण के लिए, लेंखाकन अनुमान की पूववर्ती समीक्षा को निष्पादित किया जाता है)

परिस्थिति के कुछ उदाहण जिसमें पेशवर निर्णयन का उपयोग से संबंधित अंकेक्षण प्रपत्रीकरण को तैयार करना उपयुक्त है जहां पर मामला तथा निर्णयन महत्वपूर्ण है:

- अंकेक्षक का निष्कर्ष के लिए युक्ति जब तक आवश्यकता प्रदान करता है कि अंकेक्षक कुछ सूचना अथवा फैक्टर 'विचार करेगा' तथा वह विचार विशेष लिप्तता के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। **{2 M}**
- विषयपरक निर्णयन का क्षेत्र की उचितता पर अंकेक्षक का निष्कर्ष का आधार (उदाहरण के लिए, महत्वपूर्ण लेखांकन अनुमान की उचितता)
- एक प्रपत्र की प्रमाणिकता के बारे में अंकेक्षक का निष्कर्ष जब अंकेक्षण के दौरान पहचान स्थिति के प्रत्युत्तर में इस प्रकार का अन्वेषण (जैसा एक विशेषज्ञ का उपयुक्त उपयोग अथवा पुष्टि प्रंक्रिया जो अंकेक्षक को विश्वास दिलाता है कि प्रपत्र प्रमाणिक नही हैं)

Answer :

(b) अंकेक्षक को एक कुशल तथा समयबद्ध तरीके में एक प्रभावी अंकेक्षण के परिचालन में उसे समर्थ करने के लिए अपने कार्य की योजना बनानी चाहिए। योजना ग्राहक के व्यापार के ज्ञान पर आधारित होनी चाहिए।

(a) ग्राहक की लेखांकन प्रणालियों, नीतियों तथा आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाओं का ज्ञान अधिगृहित करना,

(b) आंतरिक नियंत्रण पर निर्भरता की प्रत्याशित सीमा निर्धारित करना,

(c) किये जाने वाले अंकेक्षण की प्रकृति, समयबद्धता तथा विस्तार का निर्धारण करना तथा प्रोग्रामिंग करना तथा,

(d) किये जाने वाले कार्य को समन्वित करना,

{3 Point Each 1 Mark}

Answer :

(c) यथार्थपूर्वक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया : यथापूर्वक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया आमतौर पर सौदों के बड़े परिमाप पर लागू होते हैं जो अधिक समय तक अनुमान योग्य होते हैं। योजनाबद्ध विश्लेषणात्मक प्रक्रिया का उपयोग इस अपेक्षा पर आधारित है कि डाटा के मध्य संबंध विद्यमान है तथा विपरीत ज्ञात स्थिति के अभाव में जारी रहता है। यद्यपि, एक विशेष विश्लेषणात्मक प्रक्रिया की उपयुक्तता अंकेक्षक की मिथ्या विवरण को खोजने में समीक्षा कितनी प्रभावी है, पर निर्भर होगी जो व्यक्तिगत रूप से अथवा जब अन्य मिथ्या विवरण के साथ योग किया जाता वित्तीय विवरण को सारवान रूप से मिथ्या वर्णित कर सकता है। **{2 M}**

कुछ मामलों में एक गैर आधुनिक अनुमान सूचक मॉडल एक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया के रूप में प्रभावी हो सकता है। उदाहरण के लिए, जहां पर एक इकाई की अवधि भर में वेतन की निश्चित दर पर कर्मचारियों की ज्ञात संख्या है, अंकेक्षक के लिए शुद्धता की उच्च डिग्री के साथ अवधि के लिए कुल पे रोल लागत का अनुमान लगाने में इस डाटा का उपयोग करना अंकेक्षक के लिए संभव हो सकता है जो वित्तीय विवरण में महत्वपूर्ण मद के लिए अंकेक्षण साक्ष्य को प्रदान करना तथा पे रोल पर विवरण के परीक्षण की आवश्यकता को कम करना है। वृहत रूप से मान्यता व्यापार अनुपात (जैसे खुदरा इकाइयों के विभिन्न प्रकार का लाभ मार्जिन) को लेखांकित राशि की उचितता के समर्थन में साक्ष्य को प्रदान करने के लिए यथार्थवादी विश्लेषणात्मक प्रक्रिया में प्रभावी रूप से प्रयुक्त किया जा सकता है। **{2 M}**

Answer :

(d) **संचय** लाभ से विनियोजित राशि है जो चिट्ठा को विद्यमान के रूप में जानी सम्पति का मूल्य में कमी अथवा किसी दायित्व, आकस्मिकता तथा प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए एच्छिक नहीं है।

इसके उलट, प्रावधान निम्न के प्रदान करने के लिए राजस्व के विरूद्ध वसूल राशि है:

(i) नवीनीकरण अथवा सम्पति का मूल्य में कमी; अथवा

(ii) एक ज्ञात दायित्व, जिसकी राशि का केवल अनुमान लगायेगे तथा शुद्धता के साथ निर्धारित नही किया जा सकता है; अथवा

(iii) एक दावा जो विवादित है।

सम्पति के मूल्य में कमी को पूरा करने के लिए लाभ से अंतरित अथवा अंशदान राशि इस तथ्य के कारण प्राकृतिक आपदा के पणिामस्वरूप मे रूप में गुम हो गयी अथवा नष्ट हो गयी अथवा ऋण जिसकी वसूली नहीं की गयी, को साबित किया प्रावधान के रूप में भी वर्णित किया। प्रावधान को सामान्यतः लाभ की राशि पर पहुंचने के पूर्व लाभ तथा हानि का विवरण मे वसूल किया। **{1 M}**

दों के मध्य अंतर है कि प्रावधान विशिष्ट/पहचान दायित्व अथवा सम्पति का वसूलीयोग्य मूल्य में कमी को पूरा करने के लिए रखी गयी राशि है। इसे इस तथ्य पर विचार किये बिना क्या कम्पनी ने लाभ की अर्जित किया अथवा नहीं।

दूसरी तरफ संचय एक अवधि से एक आय के लिए कम्पनी का लाभांश का बराबर करने के लिए धारित लाभ अथवा कम्पनी का विस्तार का वित्त के लिए अथवा वित्तीय रूप से सामान्यतः कम्पनी का सुदृढ़ करने के लिए विनियोजित राशि का प्रतिनिधित्व करता है।

यदि हम किसी कम्पनी के चिट्ठे का परीक्षण करने से बाहन कुल दायित्व से घटाया जाता है, दो अंक के मध्य अंतर उस तिथि को सम्पति का पुस्तक मूल्य पर आधारित कम्पनी की शुद्ध मूल्य का प्रतिनिधत्व करेगा। उसमें अंशधारकों के द्वारा अशदान पुंजी तथा साथ में लाभ तथा हानि का विवरण अथवा संचय के क्रेडिट में धारित कुल गैर वितरित लाभ सम्मिलित होगा। संचय को फिर से राजस्व अथवा पूजी संचय में विभक्त किया जायेगा। **{1 M}**

राजस्व संचय लाभ का प्रतिनिधित्व करता है जो किसी एक अथवा अधिक उद्देश्य अथवा समय के लिए धारित अंशधारको का वितरण के लिए उपनब्ध है।

उदाहरण मंदी वर्षो में विभाज्य लाभ का अनुपूरक करना, व्यापार के विस्तार के लिए वित पोषण, व्यापार की कार्य पूंजी को बढ़ाना अथवा सामान्यतः कम्पनी की वित्तीय स्थिति को सामान्यतः सुदृढ़ करने के लिए।

पूंजी संचय दूसरी तरफ एक संचय का प्रतिनिधत्व करता है जिसमें लाभ तथा हानि के विवरण के जरिये वितरण लिए मुक्त के रूप में कोई राशिा सम्मिलित नहीं है।

उदाहरण– अंश प्रीमियम, पूंजी विमोचन संचय

यह भी नोट किया जा सकता है कि यदि एक कम्पनी सम्पति प्रति स्थानापन्न संचय मे क्रेडिट करने के लिए राजस्व लाभ को विमोचित किया जाता है जिसे पूंजी उद्देश्य के लिए पूंजी सचय की प्रवृति में भी ऐसे संचय के लिये प्रयुक्त किया है। **{1 M}**

सामान्यतः पूंजी संचय को बोनस अंशों को जारी करने के लिए अथवा कृत्रिम सम्पति का अपलेखन करने अथवा हानि (अनुच्छेद में प्रावधान के तहत यदि इसे वसूल किया) परन्तु अंश प्रीमियम अथवा पूंजी विमोचन संचय खाता की राशि को केवल कम्पनी अधिनियम 2013 की क्रमशः धारा 52 तथा 55 में निर्दिष्ट उद्देश्य के लिए किया जाता है।

Answer 3:

(a) ऋण के अतिरिक्त दायित्व (ऊपर चर्चा की है) में व्यापार प्राप्य तथा अन्य चालू दायित्व, आस्थगित भुगतान क्रेडिट तथा प्रावधान सम्मिलित है। दायित्वों का सत्यापन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सम्पत्ति का, यह विचार करते हुए यदि दायित्व छूट गया (अथवा कम वर्णित है) अथवा अति वर्णित है चिट्ठा इकाई के कार्यकलाप का सत्य तथा उचित मद नहीं दिखायेगा। **{1 M}**

आगे, एक दायित्व चालू के रूप में वर्गीकृत है यदि यह निम्न मानदंड को संतुष्ट करती है:

- इसकी इकाई की सामान्य परिचालन चक्र में निपटारा होने की अपेक्षा है।
- इसे मुख्यतः व्यापारिक होने के उद्देश्य से रखा है।
- यह प्रतिवेदन अवधि के प्श्चात् बारह माह के अंदर निपटारा के लिए देय है।
- इकाई का प्रतिवेदन अवधि के प्श्चात् कम से कम बारह माह के लिए दायित्व का आस्थगन का बिना शर्त का अधिकार नहीं है। दायित्व की शर्त जो प्रतिपक्ष का विकल्प पर समता प्रलेख के निर्गम के द्वारा इसका निपटारा में परिणामतः होती है, इसके वर्गीकरण को प्रभावित नहीं करती। **{2 M}**

Answer :

(b) बारम्बार बाहरी पुष्टि प्रक्रिया प्रासंगिक है, जब खाता शेष तथा उससे जुड़े अभिकथन को संबोधित करते हैं, परन्तु इन मदों तक सीमित नहीं है। उदाहरण के लिए, अंकेक्षक एक इकाई तथा अन्य पक्षों के मध्य समझौता, संविदा अथवा सौदों के संदर्भ में बाहरी पुष्टि की मांग कर सकता है। बाहरी पुष्टि प्रक्रिया को कुछ शर्तो के अभाव के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निष्पादित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, एक प्रार्थना विशेष रूप से पुष्टि की मांग कर सकती है कि कोई ''साइड समझौते'' विद्यमान नहीं है जो इकाई की राजस्व कट ऑफ अभिकथन से प्रासंगिक है। अन्य स्थिति जहां पर बाहरी पुष्टि प्रक्रिया सारवान मिथ्या विवरण की समीक्षा जोखिम के प्रत्युत्तर में प्रासंगिक अंकेक्षण साक्ष्य प्रदान कर सकता है: {1 M}

- बैंकिंग संबंध से प्रासंगिक बैंक शेष तथा अन्य सूचना
- खाता प्राप्य शेष तथा अवधि
- प्रक्रियागत अथवा प्रेषण के लिए माल भण्डारण गृहों पर तृतीय पक्ष द्वारा धारित स्कंध
- सुरक्षा अमानत अथवा सुरक्षा के लिए वकीलों अथवा वित्त प्रदानकर्ता द्वारा धारित सम्पत्ति हक विलेख
- तृतीय पक्षकारों के द्वारा सुरक्षित रखने के लिए धारित निवेश अथवा स्टॉक ब्रोकर्स से क्रय परन्तु तुलनपत्र तिथि तक सुपुर्दगी नहीं।
- पुर्नभुगतान की प्रासंगिक शर्त तथा प्रतिबंध संविदा सहित लेनदारों को देय राशि
- खाता भुगतान योग्य शेष तथा अवधि।

{Any 4 Point Each 1/2 Mark}

Answer 3:

(c) अंकेक्षक के अंकेक्षण जोखिम को शून्य तक करने की अपेक्षा नहीं की जाती तथा ना ही की जा सकती है तथा इसलिए वित्तीय विवरण से पूर्ण आश्वासन प्राप्त नहीं कर सकता कि वित्तीय विवरण धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त है। ऐसा है कि क्योंकि अंकेक्षण की अंतर्निहित सीमायें है। यह एक अंकेक्षण की अर्न्तनिहित परिसीमा के कारण है:

(i) वित्तीय रिपोर्टिग की प्रकृतिः वित्तीय विवरण की तैयारी में इकाई की तथ्यों तथा परिस्थितियों का इकाई की लागू वित्तीय रिपोर्टिग फ्रेमवर्क की आवश्यकता को लागू करने में प्रबन्धन द्वारा निर्णयन लिप्त है। इसके अतिरिक्त कई वित्तीय विवरण मदों में विषयपूरक निर्णय अथवा समीक्षा अथवा अनिश्चितता की डिग्री लिप्त है तथा स्वीकार्य व्याख्या अथवा निर्णयन की श्रृंखला हो सकती है जिसे किया जा सकता है। {1 M}

(ii) अंकेक्षण प्रक्रियाओं की प्रकृत्तिः अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने की अंकेक्षक की योग्यता पर व्यवहारिक तथा कानूनी सीमा है। उदाहरण के लिएः

1. यह संभावना है कि प्रबंधन अथवा अन्य जानबूझकर अथवा अनजाने में पूर्ण सूचना को प्रदान ना करें जो वित्तीय विवरण की तैयारी तथा प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है अथवा जिसका अनुरोध अंकेक्षक द्वारा किया है।
2. धोखाधड़ी में उसे छुपाने के लिए अनुरोध अत्याधुनिक तथा ध्यानपूर्वक डिजाइनें योजना लिप्त है। इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य को इकट्ठा करने के लिए प्रयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया एक जानबूझकर मिथ्या विवरण की खोज के लिए अप्रभावी हो सकती है, उदाहरण केलिए प्रपत्रीकरण का असत्य करने के लिए सांठगांठ हो सकती है जो अंकेक्षण को यह विश्वास दिला सकती है कि अंकेक्षण साक्ष्य वैध है जबकि यह है नहीं। अंकेक्षक ना ही प्रशिक्षित ना ही प्रपत्र के प्रमाणीकरण में दक्ष है। {1 M}
3. एक अंकेक्षण आरोपित गलत करने में एक अधिकारिक अन्वेषण नहीं है, तदानुसार अंकेक्षक को विशिष्ट कानूनी अधिकार नहीं दिया गया है, जैसे खोज का अधिकार जो कि एक अन्वेषण के लिए आवश्यक हो सकता है।

(iii) वित्तीय रिपोर्टिंग की समयबद्धता तथा लाभ तथा लागत के मध्य संतुलनः कठिनाई, समय अथवा लिप्त लागत का मामला स्वंय में अंकेक्षक के लिए अंकेक्षण प्रक्रिया को छोड़ने का वैध आधार नहीं है, जहां पर कोई विकल्प नहीं है।
उपयुक्त योजना अंकेक्षण का परिचालन के लिए उपलब्ध पर्याप्त समय तथा संसाधन को बनाने में सहायता करते हैं। इसके बावजूद, सूचना की प्रासंगिकता तथा इसका मूल्य समय के साथ कम होता है तथा सूचना की विश्वसनीयता तथा इसकी लागत के मध्य संतुलन नहीं है। **{1 M}**

(iv) अनय मामले जो एक अंकेक्षण की सीमा को प्रभावित करते हैः कुछ विषय वस्तुओं के मामले में, सारवान मिथ्या विवरण को खोजन की अंकेक्षक की परिसीमा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इस प्रकार का अभिकथन अथवा विषय वस्तु में सम्मिलित है। **{1 M}**

- धोखाधड़ी विशेष रूप से वरिष्ठ प्रबंधन का शामिल होना अथवा सांठगांठ
- संबंधित पक्ष संबंध तथा सौदे की विद्यमानता तथा पूर्णता
- कानून तथा अधिनियमों का गौर अनुपालन का घटित होना
- भावी घटना अथवा स्थिति जो एक इकाई को चलायमान संस्था को जारी नहीं रखती।

Answer:

(d) अंकेक्षण साक्ष्य अंकेक्षक की राय तथा रिपोर्ट के समर्थन के लिए आवश्यक है। यह प्रकृति में संचयी है तथा मुख्यतः अंकेक्षक के दौरान निष्पादित अंकेक्षण प्रक्रिया से प्राप्त किया है। यद्यपि इसमें अन्य स्त्रोत जैसे गत अंकेक्षण से प्राप्त सूचना सम्मिलित होगी। इकाई के अंदर तथा बाहर स्त्रोत के अतिरिक्त इकाई का लेखांकन रिकॉर्ड अंकेक्षण साक्ष्य का महत्वपूर्ण रिकॉर्ड है। साथ में सूचना जिसे अंकेक्षण साक्ष्य के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है, को प्रबन्धन का विशेषज्ञ का कार्य उपयोग कर तैयार किया जाता है। अंकेक्षण साक्ष्य दोनों सूचनाओं से मिलकर बना है जो प्रबन्धकीय अभिकथन का समर्थन तथा सपुष्टी करता है तथा कोई सूचना जो इस प्रकार का अभिकथन का खंडन करता है। इसके अतिरिक्त, कुछ मामलो में, सूचना का अभाव (उदाहरण के लिए, प्रबन्धन की आवेदित प्रतिरूप को प्रदान करने में इन्कार करना) को अंकेक्षक द्वारा प्रयुक्त किया जाता है, तथा इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य बनाता है। **{2 M}**

अंकेक्षक की राय बनाने में ज्यादातर अंकेक्षक का कार्य अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने तथा आंकलन करने से मिलकर बना है। अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अंकेक्षण प्रक्रिया में जांच के अतिरिक्त निरीक्षण अवलोकन पुष्टी, पुनः गणना, पुनः निष्पादन तथा विश्लेषणात्मक प्रक्रिया प्रायः कुछ समन्वय में सम्मिलित हो सकती है। यद्यपि जांच महत्वपूर्ण अंकेक्षण साक्ष्य को प्रदान करती है तथा मिथ्या विवरण का साक्ष्य प्रस्तुत कर सकती है, जांच अकेली अभिकथन स्तर पर सारवान मिथ्या विवरण के अभाव का पर्याप्त अंकेक्षण साक्ष्य अथवा नियंत्रण की परिचालन प्रभावदेयता को प्रदान नहीं करता। **{1 M}**

जैसा एस.ए. 200 ''स्वतंत्र अंकेक्षक का सम्पूर्ण उद्देश्य तथा अंकेक्षण पर मानक के अनुसार एक अंकेक्षण का परिचालन'' में स्पष्ट किया है, उचित आश्वासन को प्राप्त किया जाता है जब अंकेक्षक ने अंकेक्षण जोखिम (अर्थात जोखिम जिस पर अंकेक्षक एक अनुपयुक्त राय प्रकट करता है जब वित्तीय विवरण सारवान रूप से मिथ्या वर्णित है, की स्वीकार्य न्यून स्तर तक कम करने के लिए पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त कर लिया। अंकेक्षण साक्ष्य की पर्याप्तता तथा उपर्युक्तता एक दूसरे से परस्पर संबंधित है। **{1 M}**

Answer 4:

(a) एक एन.जी.ओ. का अंकेक्षण की योजना बनाते हुए, अंकेक्षक निम्न पर ध्यान केन्द्रित कर सकता हैः

(i) एन.जी.ओ. का कार्य इसका मिशन तथा विजन, परिचालन का क्षेत्र तथा वातावरण जिसमें यह परिचालित होती है, का ज्ञान।

(ii) हाल की संशोधन, परिपत्र, विधान से संबंधित न्यायिक निर्णय के संबंध में विशेष रूप से प्रासंगिक विधान का ज्ञान को अपडेट करना।

(iii) संस्था का कानूनी स्वरूप तथा इसको पार्षद सीमा नियम, पार्षद अर्न्तनियम, नियम तथा विनियमन की समीक्षा।

{Each 1/2 Mark Any 8 Point}

(iv) एन.जी.ओ. का संगठनात्मक चार्ट, तब वित्तीय तथा प्रशासकीय मेन्युल, प्रोजेक्ट तथा कार्यक्रम मार्गदर्शिका, फंडिंग एजेंसी आवश्यकता तथा फोरमेट, बजंटरी नीतिया यदि कोई है, की समीक्षा।
(v) बोर्ड/प्रबंधकीय समिति/संचालन संस्था/प्रबंधन तथा उसकी समिति की मिनटों का परीक्षण ताकि वित्तीय रिकॉर्ड पर किसी निर्णय का प्रभाव को ज्ञात किया जा सके।
(vi) एन.जी.ओ. के लिए विद्यमान लेखांकन प्रणाली, प्रक्रिया, आंतरिक नियंत्रण तथा आंतरिक जांच का अध्ययन तथा उनके लागू करने का सत्यापन।
(vii) अंकेक्षण उद्देश्य के लिए सारवानता स्तर की स्थापना।
(viii) रिपोर्ट अथवा अन्य संप्रेषण की प्रकृति तथा समय।
(ix) विशेषज्ञ तथा उनकी रिपोर्ट की लिप्तता।
(x) गत वर्ष के अंकेक्षण रिपोर्ट की समीक्षा।

Answer:

(b) धोखाधड़ी के परिणाम से सारवान मिथ्या विवरण को ना खोजने को जोखिम त्रुटि के परिणाम से ना खेजने की जोखिम से अधिक है। यह इसलिए क्योंकि धोखाधड़ी ने इसे छुपाने के लिए अत्याधुनिक तथा ध्यानपूर्वक आयोजित योजना लिप्त होती है जैसे जालसाजी, सौदे को रिकार्ड करने में जानबूझकर विफलता अथवा अंकेक्षक को जानबूझकर मिथ्या विवरण करना। छुपाने का इस प्रकार का प्रयास खोजने में ज्यादा कठिन हो सकता है जब सांठगांठ के साथ संलग्न है। **{2 M}**

सांठगांठ अंकेक्षक को विश्वास दिला सकता है कि अंकेक्षण साक्ष्य व्यापक है जबकि वास्तव में यह असत्य है। एक धोखाधड़ी को खोजने में अंकेक्षक की योग्यता धोखाधड़ी करने वाली की कुशलता, गड़बड़ी की आवृति तथा हद, लिप्त सांठगांठ की डिग्री, गड़बड़ की गयी व्यक्तिगत राशि का तुलनात्मक आकार तथा लिप्त इन व्यक्तियों की वरीयता पर निर्भर है, जबकि अंकेक्षक की जाने वाली धोखाधड़ी की भावी अवसर की पहचान करने में समर्थ हो सकता है, अंकेक्षक के लिए निर्धारित करना कठिन है, क्या निर्णय क्षेत्र में मिथ्या विवरण जैसा लेखांकन अनुमान धोखाधड़ी के कारण है अथवा त्रुटि के कारण है। **{2 M}**

Answer:

(c) आय के उत्क्रमणः अगर किसी भी अग्रिम, खरीदी गई और रियायती बिलों सहित, एनपीए किसी भी वर्ष की समाप्ति के रूप में बनी हुई, तो पिछले बकाया राशि में अर्जित पूरे ब्याज और जमा राशि को बदला जा सकता है या यदि उसे वसूल नहीं किया गया हो, तो प्रदान किया जाना चाहिए। सरकारी गारंटीकृत खातों पर भी लागू होगा। **{1 M}**

एनपीए, फीस, कमीशन और अर्जित होने वाली समान आय के संबंध में, वर्तमान अवधि में अर्जित होना बंद कर दिया जाना चाहिए और यदि अस्थिर हो तो पिछली अवधि के संबंध में इसे उलट या प्रदान किया जाना चाहिए। **{1 M}**

इसके अलावा, अगर पिछले वर्ष गलत तरीके से मान्यता प्राप्त आय वाले बैंको के मामले में मौजूदा वर्ष के दौरान आय के रूप में पहचाने जाने वाले या किसी समतुल्य राशि के लिए प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष (ओ) में आय के रूप में पहचाने गए थे।
इसके अलावा, अंकेक्षक को पूछना चाहिए कि क्या ब्याज आय खाते में कोई बड़ी डेबिट है, जिसे समझाया नहीं गया है। यह पूछताछ की जानी चाहिए, कि उधारकर्ताओं ने ब्याज प्रभार में अंतर की ओर इशारा करते हुए कोई भी संचार किया है और इस संबंध में यथायोग्य कार्यवाही की गई है या नहीं। **{1 M}**

Answer:

(d) कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 140(1) के अन्तर्गत अंकेक्षक को हटाने के लिए केंद्र सरकार की अनुमतिः अंकेक्षक को उसकी अवधि से पूर्व अर्थात् उसके रिपोर्ट को देने से पूर्व हटाना एक गंभीर मामला है तथा उसकी स्वतंत्रता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है। **{1 M}**

आगे, हित का ठकराव के मामले में, अंशधारक अपने हित में अंकेक्षकों को हटा सकते है।
इसलिए, कानून ने सुरक्षा प्रदान की है ताकि केंद्रीय सरकार इस प्रकार की कार्यवाही के लिए कारण जान सके तथा यदि संतुष्ट नहीं है, तो अनुमति नहीं देगी। **{1 M}**

दूसरी तरफ यदि अंकेक्षक ने अपनी पूरी कर ली है अर्थात् उसने अपनी रिपोर्ट दे दी है तथा उसके पश्चात् उसे पुनः नियुक्त नहीं किया, तब केंद्रीय सरकार उसके हस्तक्षेप के लिए गंभीर नहीं है। **{1 M}**

Answer 5:

(a) आज की डिजिटल आयु में जब व्यापार को परिचालित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली तथा नेटवर्क पर ज्यादा से ज्यादा विश्वास करते है, डाटा तथा सूचना की राशि जो इस प्रणाली में प्रचुर रूप से विद्यमान एक प्रसिद्ध व्यापारी ने हाल में कहा है, ''डेटा एक नया तेल है''। **{1 M}**

प्रक्रिया, उपकरण तथा तकनीक का समन्वय जिसे अर्थपूर्वक सूचना को प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रोनिक डाटा की विशाल राशि का लाभ उठाने के लिए प्रयुक्त किया जाता है, को डाटा विश्लेषण कहते हैं। जबकि यह सत्य है कि कम्पनी बढ़ी हुई लाभदायकता, बेहतर ग्राहक सेवा, प्रतिस्र्द्धी लाभ को प्राप्त करने, ज्यादा कुशल परिचालन इत्यादि के संदर्भ में डाटा विश्लेषण के उपयोग से काफी लाभ उठा सकती है, यहां तक अंकेक्षक अंकेक्षण प्रक्रिया में इसी प्रकार के उपकरण तथा तकनीक का उपयोग कर सकते हैं तथा अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। उपकरण तथा तकनीकी जिसे डाटा विश्लेषण का सिद्धात लागू करते हैं, को कम्प्यूटर सहायक अंकेक्षण तकनीक अथवा संक्षेप में CAAT है। **{2 M}**

डाटा विश्लेषण का स्प्रेडशीट तथा विशेषज्ञ अंकेक्षण उपकरण जैसे IDEA तथा ACL को निम्न में निष्पादन के लिए उपयोग कर आई.टी. प्रणाली में रहने वाले डाटा तथा इलेक्ट्रोनिक रिकार्ड के परीक्षण में प्रयुक्त किया जा सकता है।

- डाटा तथा जनसंख्या पूर्णता की जांच करना जिसे या तो नियंत्रण के परीक्षण में अथवा यथार्थवाही अंकेक्षण परीक्षण में प्रयुक्त किया जाता है
- अंकेक्षण सेम्पल का चयन – यादृच्छिक सेम्पलिंग, क्रमबद्ध सेम्पलिंग
- शेष की पुर्नगणना – सौदा डाटा से तलपट की पुनः संरचना
- गणितीय गणना का पुनः निष्पादन – ह्रास, बैंक ब्याज गणना
- जर्नल प्रविष्टी का विश्लेषण जैसा द्वारा आवश्यक है
- धोखाधड़ी अन्वेषण
- नियंत्रण कमियों के प्रभाव का आंकलन

{1 M}

Answer:

(b) सूचना अंकेक्षक को मुवक्किल के साथ संबंधों को स्वीकृत तथा जारी रहने में सहायता करता है: SA 220, ''वित्तीय विवरण का अंकेक्षण के लिए गुणवत्ता नियंत्रण'' के अनुसार अंकेक्षक को एक विद्यमान लिप्तता को जारी रहने तथा कब विद्यमान मुवक्किल के साथ नयी नियुक्ति को स्वीकृत करना चाहिए एक नये मुवक्किल के साथ नियुक्ति को स्वीकृत करने से पूर्व परिस्थिति में आवश्यक विचार की जाने वाली सूचना पर विचार करना चाहिए। निम्न सूचना मुवक्किल के साथ संबंध को स्वीकृत करने तथा जारी रखने में अंकेक्षक की सहायता करेगी : **{1 M}**

(i) प्रमुख स्वामी, मुख्य प्रबंधन तथा इकाई के संचालन से प्रभारित व्यक्ति की अखंडता,

(ii) क्या लिप्तता दल अंकेक्षण लिप्तता को निष्पादित करने में सक्षमह ै तथा समय तथा संसाधन सहित आवश्यक सक्षमता को रखता है, **{1 M}**

(iii) क्या फर्म तथा लिप्तता दल प्रासंगिक नैतिक आवश्यकता की अनुपालन कर सकता है, तथा

(iv) महत्वपूर्ण मामला जो वर्तमान अथवा गत अंकेक्षण लिप्तता के दौरान उत्पन्न होता है तथा संबंध को जारी रहने के दौरान उनका प्रभाव है। **{1 M}**

Answer :

(c) (a) Modification of Opinion: अंकेक्षक को अंकेक्षक की रिपोर्ट में राय का संशोधन करना होगा जब :

(i) अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य के आधार पर वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप में सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त नहीं है।

(ii) अंकेक्षक यह निष्कर्ष निकालने में कि वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप में सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त है, पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ है। **{1 M}**

(b) Disclaimer of Opinion: अंकेक्षक एक राय का अदावा करेगा जब अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने में असमर्थ है जिस पर उसकी राय आधारित है, तथा अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि वित्तीय विवरण पर गैर–खोजी मिथ्या विवरण यदि कोई है तो का संभव प्रभाव दोनों समग्र तथा व्यापार हो सकता है।
अंकेक्षक बहु अनिश्चितता में लिप्त दुर्लभ परिस्थिति में जब एक राय का अदावा करेगा, जब वह निष्कर्ष निकालता है कि प्रत्येक व्यक्तिगत अनिश्चितता के संबंध में पर्याप्त, उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के बावजूद उसके लिए अनिश्चितता का भावी संवाद तथा उनके वित्तीय विवरण पर संभव संग्रहीत प्रभाव के कारण वित्तीय विवरण पर राय बनाना संभव नहीं है। **{1 M}**

(c) Adverse Opinion: अंकेक्षक एक प्रतिकूल राय को व्यक्त करेगा जब अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने के बाद निष्कर्ष निकालता है कि मिथ्या विवरण व्यक्तिगत अथवा योग में वित्तीय विवरण की समग्र तथा व्यापक है। **{1 M}**

(d) Qualified Opinion: अंकेक्षक एक मर्यादित राय प्रकट करेगा जब–

(i) अंकेक्षक ने पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त कर निष्कर्ष निकाला है, मिथ्या विवरण व्यक्तिगत अथवा योग में वित्तीय विवरण की सारवान है परन्तु व्यापक नहीं है।

(ii) अंकेक्षक पर्याप्त उपयुक्त अंकेक्षण साक्ष्य जिस पर उसकी राय आधारित है को प्राप्त करने में असमर्थ रहता है परन्तु अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि गैर–खोजी मिथ्या विवरण का संभव प्रभाव यदि कोई है तो सारवान है परन्तु व्यापक नहीं है। **{1 M}**

Answer:

(d) कृषि अग्रिम

दिशा–निर्देशों के अनुसार, कृषि अग्रिम दो प्रकार के हैं,

(1) ''लम्बी अवधि'' फसलों के लिए कृषि अग्रिम और

(2) ''छोटी अवधि'' फसलों के लिए कृषि अग्रिम **{1 M}**

''लम्बी अवधि'' की फसलों के एक वर्ष से अधिक फसलों की फसल होगी और फसलों, जो ''लम्बी अवधि'' नहीं है, को ''लघु अवधि'' फसलों के रूप में माना जाएगा।

प्रत्येक फसल के लिए फसल को मौसम, जिसका मतलब हैं, कि उठाए गए फसलों की कटाई की अवधि प्रत्येक राज्य में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति द्वारा निर्धारित की जाएगी।

निम्नलिखित एनपीए मानदण्ड कृषि अग्रिमों (क्रॉप अवधि ऋण सहित) पर लागू होगेः **{2 M}**

- अल्प अवधि की फसलों के लिए दी गई ऋण को एनपीए जाएगा, यदि मूलधन या ब्याज की किश्त दो फसलों के मौसमों के लिए अतिदेय रहती हैं औरं,
- लंबी अवधि की फसलों के लिए दी गई ऋण को एनपीए माना जाएगा, यदि एक फसल सीजन के लिए मूलधन या ब्याज की किश्त एक अतिदेय नहीं है।

Answer 6:

(a) मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय करने की इकाई की प्रक्रिया की समझ प्राप्त करें इकाई द्वारा बनाए गए निश्चित सम्पत्ति रजिस्टर प्राप्त करें हमेशा एक जोखिम होता है कि किसी संस्था को अपने लाभ को कम करने के लिए आय और व्यय वक्तव्य में अपने लाभ या व्यय पूँजी व्यय को सीधे बढ़ने के लिए राजस्व प्रकृति का खर्च पूँजी कर सकता है। इस जोखिम को दूर करने के लिए, लेखा परीक्षक निश्चित सम्पत्ति रजिस्टर से सम्पति की प्रकृति की जाँच कर सकते हैं और आगे, एक जोखिम हमेशा होता है कि नकली सम्पत्ति को पूस्तकों मे पूँजीकृत किया गया है और इस जोखिम को कम करने के लिए कम से कम लेखा परीक्षकों को शारीरिक रूप से अचल सम्पत्तियों की पुष्टि करनी चाहिए। **{1 M}**

अधिकृत व्यक्ति से उचित अनुमोदन के साथ सभी अतिरिक्त/विलोपन की सूची प्राप्त करें।

स्थायी परिसम्पति रजिस्टर से सम्पत्ति का नमूना चुनें, भौतिक विचारों पर और मूल्यह्रास, मूल्यह्रास की गणना की दर को सत्यापित करें।

- प्रबंधन द्वारा पहचाने गए सभी घटकों की सूची प्राप्त करे।
- इस अवधि के दौरान पेटेंट, साख प्रतिलिप्याधिकार, कॉपी अधिकारों जैसी अमूर्त सम्पतियाँ सुनिश्चित की जा रही है।

- सुनिश्चित करें कि मूल्य का उपयोग करने के लिए तैयार होने पर उस तिथि से सम्पत्ति पर मूल्यह्रास लगाया जाता है।
- आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार मूल्यह्रास की गणना कि कम्पनी अधिनियम के अनुसार अतिरिक्त जोड़ो और लेखा परीक्षा के लिए खोलने वाले डब्लूडीवी को लेखा परीक्षा के तहत पिछलें वर्ष के पूर्व मूल्यांकन वर्ष के लिए मिला है।
- मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय की समग्र तर्क संगतता के रूप में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएँ करें और अभिलेखों की अंकगणितीय संटीकता की जाँच करें और स्वतंत्र गणना उदाहरण–गणना करें या वर्ष के लिए मूल्यह्रास व्यय को फिर से गणना करें (उस प्रारूप का संदर्भ लें जिसका उपयोग नीचे के लिए किया जा सकता है वर्ष के लिए व्यय की उचितंता संकलन)।

{Any 4 Points Each 1/2 Mark}

Answer :

(b) दावा इस प्रकार है :

(1) फर्म संयंत्र और मशीनरी का मालिक है,
(2) संयंत्र और मशीनरी की ऐतिहासिक लागत रुपये 2 लाख है, **{1 M}**
(3) संयंत्र और मशीनरी शारीरिक रूप से मौजूद है,
(4) सम्पत्ति का उत्पादक रूप से कम्पनी के कारोबार में उपयोग किया जा रहा है, **{1 M}**
(5) इस परिसम्पत्ति पर मूल्यह्रास का कुल प्रभार रुपये 83,000 है, जिस पर रुपये 13,000 वर्ष से संबंधित हैं, जिसमें से खाते तैयार किए जाते हैं, तथा **{1 M}**
(6) मूल्यह्रास की मात्रा को मान्यता प्राप्त आधार पर गणना की गई है और गणना सही है। **{1 M}**

Answer:

(c) पुराने ऋण की जॉच टाईप करना है।

1. **पुराने ऋण की जाँच** – 6 महीने से 5 वर्ष की अवधि के लिए ओवरडयूज ऋण और 5 वर्ष से अधिक का ऋण वर्गीकृत होना और एक लेखापरीक्षक द्वारा इसकी रिपोर्ट करनी होगी। पुराना ऋण क्रेडिट सोसाइटी के काम को बहुत अधिक लम्बे समय तक प्रभावित करता है। यह अपनी कार्यशील पूँजी की स्थिति को प्रभावित करता है। वसूली की सम्भावना के दृष्टिकोण से इन पुराने ऋणों एक और विश्लेषण करना होगा, और उन्हें अच्छें या बुरे ऋण के लिए उचित प्रावधान किए गए है और क्या ये संतोषजनक है या नही।
2. **पुराना ब्याज–** लाभ की गणना करते समय पुराने बकाया ब्याज और अर्जित ब्याज को बाहर रखा जाना चाहिए। पुराना ब्याज खातें में अर्जित ब्याज हैं, जो राशि के मूल पर पुराना ब्याज है। उपयोग में एक पुराने ब्याज को आरक्षित किया गया हैं, और ब्याज खाते मे जमा किए गए पुराने ब्याज से कम है।
3. **खराब ऋण का प्रमाण–** महाराष्ट्र राज्य सहकारी नियम, 1961 के अनुसार बुरे ऋणों को बंध करने के बारे में एक विशिष्ट विशिषेता, नोट करना बहुत ही दिलचस्प है। उक्त नियमों के मुताबिक, बुरा ऋण को केवल तब ही बुरा माना जाता है जब उन्हें ऑडिटर द्वारा खराब माना जाता है। खराब ऋण फंड, रिजर्व फंड इत्यादि के सामने बुरा ऋण और अपरिवर्तनीय घाटे को लेखापरीक्षक द्वारा जहाँ भी आवश्यक हो बुरे ऋण या अपरिवर्तनीय नुकसान के रूप मे प्रमाणित किया जाना चाहिए। जहाँ ऐसी कोई आवश्यकता नहीं हैं, समाज की प्रबंध समिति को अधिकृत को बंद कर देना चाहिए।
4. **सम्पत्ति और देनदारियों का मूल्याकंन–** परिसमत्तियों के मूल्याकंन के संबध में अधिनियम और नियमों के तहत कोई विशेष प्रावधान या निर्देष नहीं है और इस तरह के संबंध में लेखाकन और ऑडिट प्रथाओं और मानदण्डों को अपनाए जाने वाले सामान्य सिद्धातों के लिए होगा। लेखापरीक्षक को परिसम्पत्तियों के अस्तित्व, स्वामित्व और मूल्याकंन का पता लगाना होगा। स्थिर परिसम्पत्तियों के मूल्य पर मूल्यह्रास होना चाहिए ताकि मूल्यह्रास के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जा सके। अधिग्रहण और परिसम्पत्तियों की संस्थापना में व्यय हुये आकस्मिक व्ययों को ठीक से पूँजीकृत किया जाना चाहिए। यदि अधिग्रहण की मूल लागत और वर्तमान बाजार मूल्य में अंतर है,

{Any 6 Points Each 1/2 Mark}

तो वर्तमान बाजार मूल्य के संबंध में एक नोट संलग्न किया जा सकता है, इसलिए वर्तमान स्थितियों के प्रकटीकरण पर प्रकाश डालना उचित होगा। मौजूदा परिसम्पत्तियों की कीमत या बाजार मूल्य पर, जो भी काम हो, उसके अनुसार होगा। देनदारियों के बारे में, लेखापरीक्षक को यह देखना चाहिए कि सभी ज्ञात देनदारियों के बारे में, लेखापरीक्षक को यह देखना चाहिए कि सभी ज्ञात देनदारियों को खाते में लाया जाता है, और आकस्मिक देनदारियों को एक नोट के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

5. **सहकारी सिद्धांतों का अनुपालन–** लेखापरीक्षक को सामान्य रूप में पता लगाना होगा, किन उद्देश्यों के लिए सहकारी संगठन की स्थापना की गई है, इन्हें इनके कार्यकाल के दौरान प्राप्त किया गया है। मुनाफे के मामले में मूल्यांकन जरूरी नहीं है, बल्कि उन सदस्यों को लाभ देने के मामले में जरूरी है, जिन्होंने सोसाइटी का गठन किया है। सामाजिक लाभों के दृष्टिकोण से विचार किया जा सकता है कि यह ध्यान में रखा जा सकता है कि कम कीमतों पर बिक्री का कितना प्रभाव हो सकता है। इन गतिविधियों की उपलब्धि के लिए लागत लेखा पद्धति, स्टोर नियंत्रण विधियों, मानक लागत की तकनीकों, बजटीय नियंत्रण आदि को अपनाया जाना चाहिए। हालांकि, ये आधुनिक तकनीकें ज्यादातार उपयोग में नहीं है और इस तरह के व्यवहार से लक्ष्यों और उपलब्धियों को एक व्यापक अंतराल हासिल के बाद किया जा सकता है खर्चो की ऑडिटिग करते समय, लेखापरीक्षक को यह देखना चाहिए किवे आर्थिक रूप से खर्च किए गए है और धन का अपव्यय तो नहीं किया गया है मध्यस्थ कमीशन, जहॉ तक सम्भव हो, टाल दिया जाता है और खरीद समितियों के सदस्यों द्वारा थोक विक्रताओं से सीधे खरीदा जाता है उचित ऑडिट के उद्देश्यों के लिए सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए।

6. **अधिनियम और नियमों के प्रावधानों की टिप्पणियॉ–** सहकारी समिति के एक लेखापरीक्षक को सहकारी सोसायटी अधिनियम और नियमों और उप–नियमों के प्रावधानों के साथ उल्लंघन का संकेत देने की आवश्यकता है। ऐसे उल्लंघनों के वित्तीय निहितार्थ का लेखापरीक्षक द्वारा ठीक से मूल्यांकन किया जाना चाहिए और उन्हें सूचित किया जाना चाहिए। कुछ राज्य अधिनियमों में लाभांश के भुगतान पर प्रतिबंध है, जिसे ऑडिटर के द्वारा नोट किया जाना चाहिए।

7. **सदस्यों का पंजीकरण और उनकी पास बुक का सत्यापन–** ऋण और उनके पुनर्भुगतान के बारे में पास बुक में की गयी प्रविष्टियों की जॉच करना, और यह सुनिश्चित करने के लिए की पास बुक में की गयी प्रविष्टियॉ हेर–फेर से मुक्त है एक सहकारी संगठन में व्यक्तियों के ऋण की शेष राशि की पुष्टि बहुत ही महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से ग्रामीण और कृषि ऋण समितियों में, सदस्य साक्षर नहीं है और यह उनके हिस्से के लिए एक अच्छी सुरक्षा है। बेशक इस जॉच का परीक्षण एक टेस्ट के आधार पर किया जाएगा, जो ऑडिटर के फैसले का मामला है।

8. **रजिस्ट्रार को विशेष रिपोर्ट–** ऑडिट के दौरान, यदि लेखापरीक्षक ने नोटिस किया कि सोसाइटी के काम में कुछ गम्भीर अनियमितताऐंह" तो वह इन विशेष मामलों की रिपोर्ट रजिस्ट्रार को कर सकते हैं, वह कुछ विशेष बिन्दुओं पर अपना ध्यान दे सकता है। इस तरह की एक विशेष रिपोर्ट प्राप्त होने पर रजिस्ट्रार सोसाइटी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर सकता है। निम्नलिखित मामलों में, उदाहरण के लिए, एक विशेष रिपोर्ट आवश्यक हो सकती है।
   (i) सोसाइटी के लेन–देन में प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत लाभ, जो अंततः समाज के हितों के लिए हानिकारक है।
   (ii) सोसाइटी के खर्च, खरीद, सम्पत्ति और भंडार से संबंधित धोखाधड़ी का पता लगाना।
   (iii) गलत प्रबंधन के विशिष्ट उदाहरण सहकारी सिद्धांतों के विरूद्ध प्रबंधन के निर्णय।
   (iv) शहरी सहकारी बैकों के मामले में निहित स्वामित्व समूहों, जैसे कि प्रबंधन के रिश्तेदारों और उनकी वसूली के बारे में जानबूझकर अधिक से अधिक लापरवाही, लापरवाह प्रगति के मामले, जहॉ प्रबंधन पर्याप्त सुरक्षा और पार्टी की साख को समझने के लिए उचित सुरक्षा उपायों के बारे में लापरवाह है।

9. **सोसाइटी का ऑडिट वर्गीकरण–** सोसाइटी के समग्र प्रदर्शन के फैसले के बाद, लेखापरीक्षक को सोसाइटी को एक श्रेणी प्रदान करनी होगी। यह निर्णय रजिस्ट्रार द्वारा निर्दिष्ट मानदंडों पर आधारित होगा। यहॉ ध्यान दिया जा सकता है कि अगर सोसाइटी का प्रबंधन ऑडिट श्रेणी के पुरस्कार के निर्णय के बारे में संतुष्ट नहीं है, तो यह रजिस्ट्रार को अपील कर सकता है और

रजिस्ट्रार ऑडिट वर्गीकरण की समीक्षा करने के लिए निर्देशित कर सकता है सोसाइटी की श्रेणी के बारे में निर्णय लेने के दौरान, लेखापरीक्षक को बहुत सावधान रहना चाहिए।

10. **प्रबंध समिति के साथ मसौदा ऑडिट रिपोर्ट की चर्चा–** ऑडिट के समापन पर, लेखापरीक्षक को समिति से संबंधित समिति की बैठक में ऑडिडेट मसौदा रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए बैठक करनी चाहिए। प्रबंध समिति समिति के साथ चर्चा किये बिना ऑडिट की रिपोर्ट को अंतिम रूप नहीं दिया जाना चाहिए। छोटी अनियमितताओं का तय किया जा सकता है और उन्हें सुधारा जा सकता है। पॉलिसी के मामले पर विस्तार से चर्चा की जानी चाहिए।

Answer:

(d) कुछ तकनीक जिससे प्राप्ति को दबाया जाता है :

(1) टीमिंग तथा लेडिंग : एक ग्राहक से प्राप्त राशि का गबन किया जाता है साथ में इसका पकड़ने से रोकने के लिए बाद में एक अन्य ग्राहक से प्राप्त राशि को ग्राहक के खाते में क्रेडिट किया जाता है जिसने पहले भुगतान किया है। इसी तरह, ग्राहक जिसने उसके पश्चात् भुगतान किया है, को द्वितीय ग्राहक के खाते में क्रेडिट किया है तथा इस प्रकार की प्रेक्टिस जारी रहती है ताकि कोई भी खाता काफी समय के लिए अदत ना रहे जो प्रबंधन को उसे खाता का विवरण भेजने अथवा उसे संप्रेषण करने की तरफ ले जाता है।

(2) गैर प्राधिकृत ग्राहक खाता को अथवा कृत्रिम छूट, बटटा तथा उनके द्वारा भुगतान राशि का गबन।

(3) इस प्रकार का शेष जिसके विरूद्ध नकद को पहले प्राप्त कर लिया परन्तु गबन किया, के संबंध में ऋण

(4) नकद बिक्री के संबंध में पूर्ण रूप से लेखांकन नहीं करना।

(5) विविध प्राप्ति उदाहरणतः कबाड़ की बिक्री, कर्मचारी को आवंटित मकान से किराया के लिए लेखांकन नहीं।

(6) पूर्णता में सम्पत्ति मूल्य का अपलेखन, उन्हें बाद में बेचना तथा राशि का गबन।

(Any 4 Points Each 1 Mark)

—**—